सत्रहवीं विधान सभा की अब तक की उपलब्धियाँ

अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि एक ओर जहाँ हम सभी आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बिहार विधान सभा भवन ने 2021 ई. में अपने सौ वर्ष के ऐतिहासिक सफर को पूरा कर लिया है, जिसका शताब्दी वर्ष हम सभी मना रहे हैं । बिहार विधान सभा का एक गौरवशाली अतीत रहा है । अपनी लंबी ऐतिहासिक यात्रा में उसने कई पड़ाव देखे हैं । यह भवन बिहार के सौ वर्ष की राजनीतिक यात्रा का मूर्त्त गवाह है । इतिहास गवाह है कि बिहार ने हमेशा देश–दुनिया को नई राह दिखायी है । बिहार लोकतंत्र की जननी है और इसकी अपनी समृद्ध राजनीतिक और सांस्कृतिक विरासत भी है ।

गौरवशाली इतिहास को धारण करने वाले बिहार विधान सभा का सफर अब पहली बिहार विधान सभा से प्रारंभ होकर धीरे–धीरे सत्रवहीं बिहार विधान सभा तक पहुँच चुका है । 17वीं बिहार विधान सभा के गठन हुए लगभग ग्यारह माह बीतने को हैं । इस अल्पावधि में भी बिहार विधान सभा कुछ ऐतिहासिक निर्णय और पलों का गवाह बना है, जिसकी चर्चा आवश्यक है, जो निम्नलिखित हैं:–

- 21 अक्टूबर, 2021 को बिहार विधान सभा भवन शताब्दी वर्ष समारोह आयोजित है, जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी शिरकत करेंगे और इस अवसर पर विधान सभा परिसर में माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी के कर कमलों से शताब्दी स्मृति स्तंभ का शिलान्यास किया जायेगा, जो आने वाले समय तथा पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध विरासत और पहचान बनेगा । साथ ही उनके द्वारा वि. स. परिसर में पवित्र बोधि वृक्ष के शिशु पौधे का रोपण किया जायेगा, जो इस परिसर को और भी आकर्षक तथा पवित्र बनायेगा ।
- सदन में 51 वर्ष के बाद बिहार विधान सभा के अध्यक्ष का चुनाव हुआ, जिसमें सबसे कम उम्र के विधान सभा अध्यक्ष के रूप में श्री विजय कुमार सिन्हा का निर्वाचन हुआ ।
- मकर संक्रांति में प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें पत्रकारगण सहित सभा सचिवालय के पदाधिकारी/कर्मचारीगण शामिल हुए तथा बिहार विधान सभा में सरस्वती पुत्र पत्रकारों को पहली बार सम्मानित किया गया ।
- बिहार विधान सभा में अवस्थित पुस्तकालय राज्य के लब्ध प्रतिष्ठित पुस्तकालयों में से एक है, जिसमें पहली बार सरस्वती पूजन आरंभ किया गया और माता सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करने के दिशा में कार्रवाई की जा रही है ।
- बिहार विधान सभा के माननीय सदस्यगण/ पूर्व सदस्यगण के मेडिकल बिल भुगतान की प्रक्रिया को सरल किया गया, जिससे उन्हें चिकित्सा प्रतिपूर्त्ति में सहूलियत हो रही है ।
- माननीय सदस्यों द्वारा धारित एक से अधिक मोबाईल के बिल के भुगतान करने का निर्णय किया गया ।
- बिहार विधान सभा की पहल पर राज्य सरकार द्वारा माननीय विधायकों के प्रोटोकॉल और सम्मान से संबंधित दिशानिर्देश सभी डीएम/एसपी को भेजवाया गया है तथा हर हाल में उनके साथ तय प्रोटोकॉल के पालन को सुनिश्चित करने का निदेश भी दिया गया ।
- विधान सभा में व्यवस्था परिवर्तन के तहत सत्र के दौरान माननीय सदस्यों के साथ आने वाले गार्ड/ड्राईवर आदि के लिए शौचालय पेयजल तथा कैंटीन की व्यवस्था की गयी ।

- बिहार विधान सभा भवन शताब्दी वर्ष का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया जिसमें तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री माननीय रविशंकर जी और राज्य सभा सांसद माननीय सुशील मोदी जी के द्वारा विधायिका प्रबोधन कार्यक्रम के दौरान संविधान की मूल प्रति से पहली बार अवगत कराया गया और इसमें निहित रामायण, महाभारत, गीता, सिख, बौद्ध और जैन धर्मों के चित्रों का अवलोकन भी कराया गया। इसी कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा द्वारा पॉच सामाजिक अभिशापों से मुक्त, पॉच वरदान से युक्त और पॉच सम्मानों से पूर्ण हमारा परिवार योजना का खाका भी रखा गया ।

- बिहार विधान सभा के माननीय एवं पूर्व माननीय सदस्य को उनके जन्मदिन पर शुभकामना संदेश भेजने की शुरूआत की गयी ।
- पिछले मौनसून सत्र के दौरान कुल पॉच बैठकों में सदन में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर लगभग शत–प्रतिशत ससमय संबंधित विभागों से उपलब्ध कराया जाने से सदन में अधिकाधिक प्रश्न लिए जा सके और उस पर विमर्श हो सका । इस सत्र में 18 घंटे 20 मिनट तक सदन संचालित हुआ यानी कुल 97% समय में सदन का कार्य हुआ । इन पाँच दिनों की कार्य सूची में कुल 40 (चालीस) कार्य सूचीबद्ध थे । सभी 40 कार्य निष्पादित हुए यानी इस पाँच दिवसीय सत्र में 100% (शत प्रतिशत) कार्य निष्पादित हुए ।
- कुल 160 मिनट इस प्रश्नोत्तर के लिए निर्धारित थे । इसमें से 154 मिनट प्रश्नों के उत्तर देने में व्यतीत हुए यानी 96% का समय पॉजिटिव कार्य में बीता ।
- माननीय सदस्य को Online प्रश्न भेजने तथा जबाव देने के लिए उत्साहित करने के लिए विशेष रूप से Help Desk और प्रशिक्षण गाईड की व्यवस्था की गयी। बिहार विधान सभा के पांचों वर्ग में सभी विभागों के Monetoring के लिए एक टीम बना कर नयी प्रणाली विकसित की गयी।
- विधान सभा में पहली बार बजट सत्र में सदन के 95 प्रतिशत समय का सदुपयोग हुआ। 19.02.2021 से 24.03.2021 के दरम्यिान 22 दिन सदन चला जिसमें 21 दिन सदन लगातार चला। पिछले 40 वर्षों में जितने प्रश्नों का जवाब चलते सदन में नहीं आया, वह इस बजट सत्र में चलते सदन में आया।
- बिहार सरकार के लगभग सभी विभागों के 90 प्रतिशत Question का Reply आया । जबकि इसके पूर्व विगत 30 वर्षों से उपर 15 से 25 तक ही जवाब आता था।
- Press Advisory committee में Print /Electronic Media और social media के वेब portal को भी स्थान दिया गया।
- सदन की कार्यवाही को पहली बार यू ट्यूब चैनल पर ऑन line Telecast किया गया।
- बजट सत्र के दौरान महिला दिवस के अवसर पर आसन से संबोधन किया गया और सभी महिला सदस्यों को विधायी कार्य में प्राथमिकता दी गयी। आसन पर भी अध्यासी सदस्य के रूप में महिला सदस्य ने अपनी जिम्मेवारी बखूबी संभाली ।
- Zero Hour के दौरान माननीय सदस्यों को रिकॉर्ड मौका दिया गया ।
- बजट सत्र के समापन पर उत्साहपूर्वक पहली बार वसंतोत्सव का आयोजन हुआ।

- सदन में अच्छे कार्य करने वाले माननीय सदस्यों को प्रोत्साहित करने का भी प्रभाव पड़ा। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सदन की कार्यवाही में भाग लिया, माहौल सकारात्मक रहा जिससे अधिकाधिक जनसमस्याओं को दूर करने का अवसर मिला ।
- लोक सभा अध्यक्ष की पहल पर कोरोना के पहले दौर से ही सभा सचिवालय में कोरोना नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया। कोरोना की दूसरी लहर में राज्य सरकार के निर्णय से पहले ही सभा सचिवालय को मई, 2021 में बंद कर दिया गया। इसके पहले अप्रैल, 2021 में भी 7 दिन सभा सचिवालय बंद किया गया।
- बिहार विधान सभा के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों,सभा सचिवालय में कार्यरत कर्मियों तथा इनके परिजनों और सभा सचिवालय के सेवा निवृत्त परिजनों के लिए टीकाकरण की व्यवस्था की गयी।

- 5 जून, 2021 को विधान सभा परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पीपल, बरगद, नीम, आंवला और आम आदि पौधे लगाकर पर्यावरण सरंक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण की अपील माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा की गयी ।
- एक और घोषणा की गयी, कि जो भी माननीय सदस्य अपने प्रश्न के उत्तर के संदर्भ में यह प्रतिवाद करते हैं कि विभागीय उत्तर से इतर है या गलत है तो इसकी सूचना सभा सचिवालय को दे सकते हैं । सूचना प्राप्त होने पर इसे बिहार विधान सभा की प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति को समीक्षा हेतु भेज दिया जायेगा ।
- शताब्दी वर्ष के अवसर पर बिहार विधान सभा के पूर्वी द्वार पर एक आधुनिक रिसेप्शन सेंटर का निर्माण कराया जाना है ।
- सुरक्षा की दृष्टि से बिहार विधान सभा परिसर के चारों ओर छह वाचटावर का निर्माण कराया जाना ।

अपनी अल्पावधि में ही 17वीं बिहार विधान सभा द्वारा ये उपर्युक्त महत्वपूर्ण कार्य किये गए हैं । मौनसून सत्र के दौरान सदन में माननीय विधायकों की गंभीरता, सरकार की सजगता और संवेदनशीलता से प्रश्नों का ससमय शत–प्रतिशत उत्तर प्राप्त हुआ और शांतिपूर्ण ढंग से संपूर्ण निर्धारित अवधि तक सदन चला । इस दौरान विधायकों द्वारा सदन की मर्यादा और गरिमा के प्रति व्यवहार करने तथा उनके सकारात्मक विमर्श और रचनात्मक सुझाव की प्राप्ति से जो इतिहास रचा गया है, वह आने वाले समय में लोकतंत्र की जननी–बिहार की धरती को गौरवान्वित करेगा । सत्रहवीं विधान सभा की शेष अवधि में भी विधान सभा के गौरवशाली अतीत के अनुरूप जनता की आकांक्षाओं पर हम खड़ा उतरने का प्रयास करेंगे ।

.....